देवी भाव और वीर रस से आलोकित खजुराहो

भोपाल, 23 फरवरी. 52वें अंतरराष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह की संध्या प्रस्तुति ने दर्शकों को आध्यात्मिक ऊर्जा और शास्त्रीय सौंदर्य की अनूठी अनुभूति से भर दिया. ऐतिहासिक मंदिरों की पृष्ठभूमि में सजे भव्य मंच पर कथकली और कुचिपुड़ी की प्रस्तुतियों ने भारतीय नृत्य परंपरा की गरिमा को सजीव कर दिया.

कथकली और कुचिपुड़ी की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

सोमवार की शाम संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित गुरु कोट्टक्कल नंदकुमारन नायर ने कथकली की प्रभावशाली प्रस्तुति सुभद्रहणम् के माध्यम से महाभारत का एक जीवंत प्रसंग मंचित किया. मंच पर अर्जुन का संन्यासी वेश में द्वारका आगमन, सुभद्रा के प्रति प्रेम, श्रीकृष्ण की रणनीति और बलराम का क्रोध भावपूर्ण मुखाभिनय और सशक्त देहभाषा के साथ प्रस्तुत किया गया. वहीं चेंडा और मद्दलम् की गूंज के साथ सजीव गायन ने प्रस्तुति में ऊर्जा भर दी. जिसने प्रेम, पराक्रम और पारिवारिक सम्मान के भावों के साथ दर्शकों को देर तक बांधे रखा.

कुचिपुड़ी में नवदुर्गा का दिव्य रूप

संध्या का समापन पद्मश्री डॉ जी पद्मजा रेड्डी की कुचिपुड़ी प्रस्तुति से हुआ. उन्होंने नवदुर्गा नृत्य नाटिका के माध्यम से देवी के नौ स्वरूपों को सजीव किया. जिसमें शैलपुत्री से सिद्धिदात्री तक प्रत्येक रूप शक्ति, करुणा और साहस का प्रतीक बनकर मंच पर प्रस्तुत किया. लयात्मक गतियों और भावपूर्ण अभिव्यक्ति ने पूरे परिसर को देवीमय आभा से आलोकित कर नृत्य और संगीत के समन्वय ने दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभूति से भर दिया.

नाटक 'त्रासदी' ने छुआ मन

आलोक चटर्जी की स्मृति में आयोजन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 23 फरवरी. मां की तस्वीर के सामने खड़ा बेटा जब अपनी ही चुप्पियों का हिसाब मांगता है तो सभागार में सन्नाटा उतर आता है. नाटक त्रासदी के अंतिम संवाद के साथ जैसे ही मंच पर रोशनी ठहरी तो दर्शकों की आंखें सी दिखी. यह दृश्य था सोमवार की शाम लिटिल बैले ट्रूप का, जहां नाटक त्रसदी का मंचन किया जा रहा था.

आलोक चटर्जी की स्मृति में आयोजित आहान नाट्य समारोह के तहत शोभा चटर्जी के निर्देशन में अखंड शर्मा ने एकल अभिनय के जरिए पूरी कथा को ऐसे जीवंत किया कि मानव कौल की लिखित इस मार्मिक रचना में मां और बेटे के रिश्ते की कोमलता, दूरियां, प्रेम और वियोग की गहरी परतें उभरकर सामने आईं. नाटक में अखंड शर्मा ने अपने किरदार में डूबकर बेटे के आत्ममंथन और आत्मविश्लेषण को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया. यह नाटक रिश्तों की अनकही सच्चाइयों को मंच पर साकार करने वाली एक सशक्त प्रस्तुति साबित हुआ. मुकेश जिज्ञासी की प्रकाश योजना और पीयूष पांडा के संगीत संचालन ने वातावरण को मार्मिक बनाया.

एक नजर में

महाकाल को समर्पित नाद बसंत की सुरमयी शाम

भोपाल. ध्रुपद की गूंजती आलाप जब राग बागेश्री में आकार लेने लगी तो लगा मानो सुर सीधे महाकाल के चरणों में अर्पित हो रहे हों. दुष्यन्त कुमार संग्रहालय में आयोजित नाद बसंत उत्सव महाकालेश्वर की संध्या संगीत और साधना का अद्भुत संगम बन गई. इस विशेष संध्या की शुरुआत शंखनाद और दीप प्रज्वलन से हुई. कार्यक्रम में चार बालिका नृत्यांगनाओं ने शिव स्तुति की मनोहारी प्रस्तुति के साथ संजोये हुये भाव और लयबद्ध गतियों ने परिवेश को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया. इसके बाद ध्रुपद गायक देवी प्रसाद रथ ने मंच पर राग बागेश्री में उनकी गंभीर और साधनापूर्ण प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. जिसके बाद पखावज पर रमेशचंद्र जोशी की दमदार संगत और तानपुरा पर मुग्धा की स्थिर साधना ने गायन को गहराई के साथ प्रस्तुत किया. कार्यक्रम में संध्या का रंग तब और गाढ़ा हुआ जब पंडित कमल कामले ने वायलिन पर सुर साधे. उनके वादन में कोमलता और विस्तार का सुंदर संतुलन दिखाई दिया. वहीं राग मिश्र पहाड़ी में प्रस्तुत ठुमरी ने श्रोताओं के मन में बसंत का मृदु स्पर्श जगा दिया और तबला पर रामेन्द्र सिंह सोलंकी की सधी हुई संगत ने हर प्रस्तुति को जीवंत रूप देने का कार्य किया. सभागार में अभिनव कला परिषद और मधुवन भोपाल के संयुक्त आयोजन में शहर के अनेक संगीत प्रेमी उपस्थित रहे. वहीं गुरुवर सुदेश शांडिल्य, पद्मश्री उमाकांत गुंदेचा, बलवंत पौराणिक, गौरी शंकर, गौरीश उल्लास, तेलंगी सज्जन, लाल भट्ट और कीर्ति सूद की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया. कार्यक्रम का संचालन श्वेता तांतेड़ ने किया, जबकि आयोजन में अतुल सुरेश तांतेड़ की सक्रिय भूमिका रही.

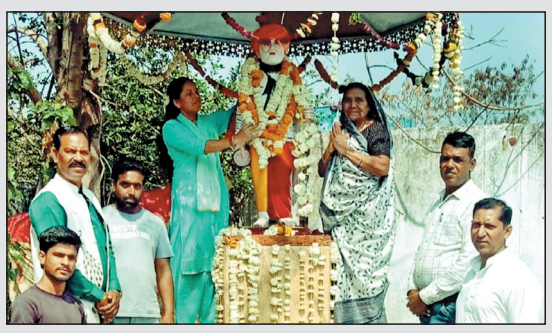

संत गाडगे महाराज की जयंती पर स्वच्छता का लिया संकल्प

भोपाल. मालवीय रजक समाज संघ के द्वारा सोमवार को संत गाडगे महाराज की 150वी जयंती पर स्वछता का संकल्प लिया गया. जिसके तहत पुल पात्रा स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में सफाई अभियान चलाया गया. इस दौरान मंदिर में स्थापित स्वच्छता के जनक संत शिरोमणि गाडगे महाराज की प्रतिमा पर समिति के सदस्यों ने माल्यार्पण किया और पूजन अर्चन कर स्वछता का संकल्प लिया. जिसके बाद पूरे मंदिर परिसर में सदस्यों के दवरा साफ सफाई कर संत अमर रहे के नारे लगाए गए. इस अवसर पर अध्यक्ष नरेश मालवीय, सुनील मालवीय, प्रकाश मालवीय, नरेश बिल्लोरे, मुकेश मालवीय सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे.

वार्षिकोत्सव उजास में प्रतिभा की चमक

भोपाल. आनंद विहार कॉलेज फॉर वूमेन में आयोजित वार्षिकोत्सव उजास 2026 के द्वितीय दिवस रचनात्मकता और उत्साह का रंगारंग संगम देखने को मिला. परिसर में फ्लेमलेस रेसिपी, सामाजिक जागरूकता पर आधारित वीडियो प्रस्तुति और बॉलीवुड थीम पर आधारित फैशन शो प्रतियोगिताओं ने छात्राओं की बहुमुखी प्रतिभा को मंच दिया. फ्लेमलेस कुकिंग प्रतियोगिता में छात्राएं अपने घरों से सामग्री लेकर पहुंचीं और निर्धारित एक घंटे में आकर्षक और स्वादिष्ट व्यंजन तैयार कर प्रस्तुत किए. वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता में बीएड प्रथम वर्ष की हर्षिता सोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. बीए प्रथम वर्ष की सुनंदा वाकोडे द्वितीय और बीए द्वितीय वर्ष की पुष्पा गौर तृतीय रहीं. फ्लेमलेस रेसिपी में बीकॉम द्वितीय वर्ष की मान्या तिवारी प्रथम रहीं. बीएड प्रथम वर्ष की नंदिनी कड़वे ने द्वितीय और बीएड प्रथम वर्ष की श्वेता सोनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. बीए द्वितीय वर्ष की पुष्पा गौर और बीए तृतीय वर्ष की प्रशंसा रघुवंशी को प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किया गया. इस अवसर पर वनिता समाज की अध्यक्ष अर्चना बागची, चेयरपर्सन मधु सरन, प्राचार्य डॉ मधु मिश्रा, प्रबंधन समिति के सदस्य और समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहे.

विकसित भारत के संकल्प से जुड़ें युवा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 23 फरवरी. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान में विकसित भारत 2047 के अंतर्गत विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें युवा कार्य विभाग की सचिव डॉ पल्लवी जैन गोविल ने विद्यार्थियों के बीच पहुंचकर विकसित भारत 2047 के विजन पर संवाद किया. यह कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास रहा. संस्थान परिसर में स्थित अमृत वाटिका में पौधारोपण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई और लक्ष्य गीत से वातावरण को राष्ट्रभावना से भर दिया. संवाद सत्र में डॉ पल्लवी जैन गोविल ने माय भारत पहल की विस्तार से जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को पोर्टल पर पंजीयन के लिए प्रेरित किया.

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में युवा कार्य विभाग के उप सचिव पुष्पेंद्र शर्मा, राष्ट्रीय सेवा योजना मप्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक कुमार, राज्य एनएसएस अधिकारी मनोज अग्निहोत्री, कार्यक्रम समन्वयक बरकतउल्ला विश्वविद्यालय डॉ. अनंत कुमार सक्सेना, संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल, युवा अधिकारी डॉ राजकुमार वर्मा सहित अन्य अधिकारी और प्राध्यापक शामिल हुए. इस दौरान डॉ पल्लवी जैन गोविल ने संस्थान के विभिन्न विभागों का भ्रमण कर शैक्षणिक और पाठ्येत्तर गतिविधियों की जानकारी भी ली.

26 डिग्री के मंत्र से आधा होगा गर्मी का खर्च

मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सुझाया उपाय

नवभारत प्रतिनिधि,

भोपाल, 23 फरवरी. गर्मी आते ही घरों में एसी की आवाज बढ़ जाती है और महीने के अंत में बिजली का बिल चौंका देता है. ऐसे में मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं को एक आसान और असरदार उपाय सुझाया है. कंपनी के अनुसार यदि एसी का तापमान 26 डिग्री पर रखा जाए तो बिजली बिल में 30 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है.

कंपनी का कहना है कि छोटी आदतों में बदलाव से बड़ा फर्क पड़ता है. नियमित सर्विसिंग, दरवाजों और खिड़कियों की सीलिंग सही रखना और जरूरत के अनुसार ही एसी का उपयोग करना बिल को काफी हद तक नियंत्रित कर सकता है.

विशेषज्ञ बताते हैं कि हर एक डिग्री तापमान बढ़ाने पर स्प्लिट एसी की बिजली खपत लगभग 6 प्रतिशत तक घटती है. इसके बावजूद कई लोग यह मान लेते हैं कि 18 डिग्री पर एसी चलाने से कमरा जल्दी ठंडा होगा. लेकिन हकीकत यह है कि एसी कमरे को तय तापमान तक ही ठंडा करता है और 18 या 26 डिग्री सेट करने से ठंडा होने की शुरुआती रफ्तार में ज्यादा अंतर नहीं पड़ता.

फर्क केवल इतना है कि कम तापमान पर कंप्रेसर को लगातार और ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे बिजली की खपत बढ़ती है और मशीन पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ता है. विशेषज्ञ के अनुसार 26 डिग्री पर एसी चलाने के साथ सीलिंग फैन भी धीमी गति पर चलाया जाए तो ठंडक समान रूप से फैलती है और कमरा अधिक आरामदायक रहता है. साथ ही टाइमर का उपयोग करने से रात में अनावश्यक बिजली खपत रोकी जा सकती है.

राष्ट्रीय वनमाली कथा सम्मान आज से

भोपाल. कथा और उपन्यास में सृजनात्मक उपलब्धि के लिए राष्ट्रीय वनमाली कथा सम्मान का तीन दिवसीय आयोजन किया रहा है. जो कि 24 फरवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलने वाला है. यह आयोजन स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय और रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के परिसर में संपन्न होने वाला है, जिसे वनमाली सृजन पीठ और विश्व रंग फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है. कार्यक्रम का शुभारंभ शाम साढ़े चार बजे चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन के साथ होगा.

25 लोगों में दृष्टि दोष की मिली शिकायत

सेवा सदन ने बाग सेवनिया में नेत्र एवं दंत रोग जांच शिविर आयोजित

भोपाल, 23 फरवरी. परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी ने समाज को नियंत्रण योग्य अंधत्व से मुक्त करने का संकल्प लिया था. उनके शिष्य आज भी इस कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं.

इसी कड़ी में राजधानी के बागसेवनिया क्षेत्र स्थित विष्णु हाइटेक वेलफेयर सोसायटी में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय-सिटी सेंटर द्वारा रविवार को नेत्र एवं दंत रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर आयोजन का उद्देश्य आमजन को नेत्र एवं दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा शुरूआती तौर पर रोगों की पहचान कर समय पर उपचार हेतु प्रेरित करना था. शिविर में सोसायटी के 55 लोगों ने अपनी आंखों एवं दांतों की जांच करवाई और चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया. जांच के दौरान 25 लोगों में दृष्टि दोष, 4 में डायबिटिक रेटिनोपैथी तथा 5 लोगों में मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई. इन मरीजों को सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में विस्तृत जांच एवं आवश्यक उपचार कराने की सलाह दी गई. इसके अतिरिक्त 20 लोगों को आई ड्रॉप्स वितरित किए गए तथा 10 लोगों को आंखों की गहन जांच के लिए सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय आने का परामर्श दिया गया.

अद्वैत जागरण शिविर के लिए पंजीयन शुरू

भोपाल, 23 फरवरी. जब देश विदेश के युवा 10 दिन तक आश्रम की सात्त्विक दिनचर्या में रहकर स्वयं को जानने की कोशिश करते हैं तो यह केवल शिविर नहीं बल्कि भीतर की यात्रा बन जाती है.

मध्यप्रदेश सरकार का आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास वर्ष 2026 में ऐसे ही 22 अद्वैत जागरण शिविर आयोजित करने जा रहा है जिनके लिए पंजीयन शुरू हो गए हैं. 18 से 32 वर्ष के युवा और जिज्ञासु नागरिक भी इन शिविरों में भाग ले सकेंगे. शिविर देश के विभिन्न प्रतिष्ठित आश्रमों में आयोजित होंगे. जिनमें उत्तराखंड, तमिलनाडु, केरल, गुजरात, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों के प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र

शामिल हैं. 10 दिवसीय शिविर में आचार्य शंकर रचित तत्वबोध, आत्मबोध, भज गोविन्दम्, विवेक चूड़ामणि जैसे ग्रंथों का अध्ययन कराया जाएगा. साथ ही योग ध्यान स्तोत्र पाठ और प्रश्नोत्तर सत्र भी होंगे. संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव शिव शेखर शुक्ला के अनुसार वर्ष 2020 से शुरू इस पहल में अब तक 1600 से अधिक प्रतिभागी देश विदेश से जुड़ चुके हैं. आगे भी यह प्रयास ऐसे ही जारी रहेगा.

शिविर में शामिल हुए युवाओं का विचार

शिविर में जाकर स्वयं को जानने के साथ-साथ मन को एकाग्र करने का अवसर मिला. शिविर से मेरे जीवन में अभूतपूर्व बदलाव आया, जो मेरे अध्ययन में भी अत्यंत लाभकारी रहा. **देवांशु शिवहरे**

विश्व में एकात्मता, शांति और परस्पर प्रेम के लिए अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रसार आज सम्पूर्ण विश्व में आवश्यक है. अद्वैत जागरण शिविर के माध्यम से वेदांत अध्ययन का यह अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है. **कृष्णन रॉय**

एम्स में खेलों से होगा तनाव पर वार

भोपाल. अस्पताल की भागदौड़ और जिम्मेदारियों के बीच एम्स भोपाल ने अपने डॉक्टरों कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए सुकून का रास्ता तलाशा है. खेलों के माध्यम से संस्थान ने मानसिक सुदृढ़ता को प्राथमिकता देने की दिशा में सार्थक कदम बढ़ाने जा रहा है, जिसके तहत संस्थान में कैरम और शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है. प्रबंधन के अनुसार इस पहल का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करना और कार्य जीवन संतुलन को बढ़ावा देना है. प्रतियोगिता का आयोजन एम्स भोपाल के स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र द्वारा किया जा रहा है.

बेटियों ने सीखे आत्मरक्षा के गुण

भोपाल, 23 फरवरी. बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में आयोजित सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग प्रोग्राम समाप्त हुआ. कार्यक्रम में करीब 100 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया.

जिसमें छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में खुद की सुरक्षा करने के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए. साथ ही उन्हें संकट की स्थिति में घबराने के बजाय सतर्कता और समझदारी से काम लेना चाहिए इस बात को भी समझाया गया. कार्यक्रम के दौरान मुख्य प्रशिक्षक सुप्रिया जाटव ने विभिन्न तकनीकों का अभ्यास कराया. उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा केवल शारीरिक कौशल नहीं बल्कि मानसिक तैयारी भी है. प्रशिक्षण का आयोजन सेडमैप मध्य प्रदेश के माध्यम से किया गया.

टैलेंट शो | लेकफ्रंट पर सजा ग्लैमर का ताज, 45 प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

रैंप पर दिखी आत्मविश्वास से भरी चाल

नवभारत प्रतिनिधि,

भोपाल, 23 फरवरी. रैंप पर आत्मविश्वास से भरी चाल, रोशनी में चमकते चेहरे और तालियों की गूंज के बीच मिस एंड मिसेज सेंट्रल इंडिया सीजन 3 का ग्रैंड फिनाले ग्लैमर और प्रतिभा शानदार मंच बन गया. द पेजेंट इंडिया कंपनी द्वारा आयोजित इस शो में मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न शहरों से आई 45 प्रतिभागियों ने अलग अलग राउंड में अपनी प्रतिभा दिखाई.

इस दौरान पारंपरिक परिधान से लेकर प्रश्नोत्तर सत्र तक मंच पर आत्मविश्वास और व्यक्तित्व

की दमक साफ नजर आई. आयोजकों के अनुसार शो का उद्देश्य महिलाओं को अपनी पहचान गढ़ने और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए मंच देने का प्रयास है. फिनाले में अभिनेता अमन वर्मा, अभिनेत्री हीरा वारिना और फिल्म निर्देशक बेजॉय नाम्बियार की मौजूदगी ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ा दी. तीनों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उनके प्रदर्शन की सराहना की. इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी और व्यवसायी दिलीप सूर्यवंशी भी विशेष रूप से शामिल रहे. वहीं जजेस में मयूरी सूर्यवंशी, शाहीन चौधरी, अंजलि लालवानी, जागृति अग्रवाल, डॉ स्वाति जैन और गजल सचदेव ने प्रतिभागियों के आत्मविश्वास और सामाजिक दृष्टि के आधार पर विजेताओं का चयन किया. जिसके बाद अंत में विजेताओं को ताज सैश और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए.

ये बने विजेता

मिस वर्ग में पूर्णिमा सुनमोरिया, अनुस्मिता मांझी, अनिका चक्रवर्ती और निकिता जैसिंघानी विजेता रहीं. जबकि मिसेज सिल्वर में रिद्धा काकानी, रुपाली सारथे, सोनिका पाठक और नैना जैन ने खिताब जीते. वहीं राधिका जेठा, स्नेहल चव्हाण, ज्योति गुप्ता और पूर्णिमा तिवारी ने मिसेज गोल्ड का ख़िताब अपने नाम किया और मिसेज प्लेटिनम में सुषमा शर्मा, पूजा भगचंदानी, दामिनी ठुकराल और रेखा मारवाल ने सफलता अपने नाम की. वहीं अंतरराष्ट्रीय एंबेसडर 2026 के लिए मंजरी सिन्हा, डॉ स्वाति जैन, डॉ पूर्णिमा तिवारी, पूर्णिमा सुनमोरिया, ज्योति झरबड़े और रेखा मारवाल का चयन किया.

दुष्यंत संग्रहालय में कल से होगी होरी गायन कार्यशाला

भोपाल. दुष्यंत संग्रहालय में उत्तर प्रदेश के पारंपरिक होरी गीतों को सहेजने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से होरी गायन कार्यशाला आयोजित की जा रही है, जो कि 25 से 28 फरवरी तक प्रतिदिन शाम 3 बजे से 5 बजे तक दुष्यंत संग्रहालय में होगी. यह आयोजन समन्वय रागम म्यूजिक इंस्टिट्यूट की ओर से किया जा रहा है, जिसकी कार्यशाला में प्रशिक्षक कलाकार के रूप में डॉ नीना श्रीवास्तव प्रतिभागियों को होरी गायन की बारीकियां सिखाएंगी, जिसे नूतन निनाद के तत्वावधान में किया जा रहा है. चार दिवसीय इस प्रशिक्षण में पारंपरिक होरी गीतों की संरचना, लय और प्रस्तुति शैली पर विशेष अभ्यास कराया जाएगा.